बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक–19.08.2017

राज्य में बाढ़ से अभी भी लोग प्रभावित हो रहे हैं। वर्त्तमान में पूर्णियां किशनगंज, अररिया, कटिहार, मधेपुरा, सुपौल, पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज के साथ–साथ सहरसा सहित 17 जिलो में बाढ़ का प्रभाव जारी है।

बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों के लिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है तथा अबतक कुल 1304 राहत शिविर चलाए जा रहे हैं, जिसमें कुल 4 लाख 8 हजार 3 सौ 97 लोग रह रहे हैं।

बाढ़ राहत शिविर के अतिरिक्त वैसे प्रभावित व्यक्ति जो राहत शिविरों में नहीं रह रहे हैं उनके लिए सामुदायिक रसोईघर (Community Kitchen) चलाया जा रहा है। इस तरह कुल 1765 सामुदायिक रसोईघर (Community Kitchen) चलाए जा रहे हैं, जिसमें 3 लाख 44 हजार 5 सौ 88 लोगों को भोजन कराया जा रहा है।

बाढ़ प्रभावित वैसी आबादी जो पूरी तरह से पानी से घिरी है तथा उन्हें निकाला भी नहीं जा सका है, विशेषकर सुगौली एवं आसपास के इलाके तथा पश्चिमी चम्पारण के गौनाहा, चनपटिया, नरकटियागंज, पूर्णियाँ जिले के वायसी अनुमंडल अररिया तथा किशनगंज के प्रभावित क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर के माध्यम से कुल 45 खेप में 18 हजार 2 सौ 12 पैकेट के द्वारा कुल 72 हजार 8 सौ 50 कि0ग्रा0 सुखा राशन का Air Dropping किया गया है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त आज से एक अतिरिक्त हेलीकॉप्टर सुगौली एवं आसपास के इलाके में सघन रूप से Air Dropping का कार्य कर रही है।

माननीय मुख्यमंत्री के निर्देश पर आज प्रधान सचिव, आपदा प्रबंधन विभाग, प्रधान सचिव, पथ निर्माण विभाग, सचिव, ग्रामीण कार्य विभाग, महानिदेशक, गृह रक्षा वाहिनी की संयुक्त टीम के द्वारा किशनगंज, अररिया तथा पूर्णियां का हवाई सर्वेक्षण किया जा रहा है तथा इनके द्वारा किशनगंज एवं पूर्णियां में राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा भी की जाएगी। साथ ही साथ इस दल के द्वारा किशनगंज एवं पूर्णियां में राहत शिविरों सामुदायिक रसोई एवं फूड पैकेट के पैकिंग का निरीक्षण भी किया जाएगा।